List of Revised Courses

Department : *Hindi*

Program Name : *M.A. Hindi*

Academic Year : 2020-21

List of Revised Courses

Sr. No.	Course Code	Name of the Course
1.	*M.A. Hindi(301)*	**भक्ति काव्य**
2.	*M.A. Hindi(302)*	हिदी नाटक एवं एकांकी
3.	*M.A. Hindi(303)*	भारतीय काव्यशास्त्र
4.	*M.A. Hindi(304)*	आधुनिक भारतीय साहित्य
5.	*M.A. Hindi(401)*	रीतिकाव्य
6.	*M.A. Hindi(402)*	पाश्चात्य काव्यशास्त्र
7.	*M.A. Hindi(403)*	हिदी समीक्षा
8.	*M.A. Hindi(404.1)*	रंगमंच एवं लोक साहित्य
9.	*M.A. Hindi(404.2)*	अनुवाद अध्ययन
10.	*M.A. Hindi(404.3)*	जनसंचार माध्यम

विषय :- अध्ययन मंडल (B.O.S.)की बैठक विषयक |

विषयान्तर्गत लेख है कि CBCS प्रणाली के तहत हिंदी विभाग में सत्र 2018-19 से वि.वि.अनुदान आयोग द्वारा प्रदत्त नया पाठ्यक्रम लागु किया जाना है | साथ ही वि.वि.प्रवेश परीक्षाओं (बी.ए.आनर्स,एम.ए.हिंदी एवं पीएच.डी. हेतु) पाठ्यक्रम तैयार किया जाना है | इस हेतु हिंदी विभाग में दिनांक 30 जून 2018 को अध्ययन मंडल की बैठक प्रस्तावित है | बैठक की तिथि बाह्य विषय विशेषज्ञ प्रो.वीरेंद्र मोहन, हिंदी विभाग, डॉ.हरीसिंह गौड़ वि.वि.सागर म.प्र. से दूरभाष पर चर्चा करने के उपरांत तय की गई है, ताकि बाह्य विशेषज्ञ को यात्रा योजना बनाने में सुविधा हो |

बैठक की कार्यसूची

- बी.ए.आनर्स का पाठ्यक्रम तैयार करना |
- एम.ए.हिंदी साहित्य का पाठ्यक्रम तैयार करना |
- वि.वि.प्रवेश परीक्षाओं (बी.ए.आनर्स,एम.ए.हिंदी एवं पीएच.डी. हेतु) पाठ्यक्रम तैयार

उपर्युक्त कार्यसूची एवं बाह्य विषय विशेषज्ञ का मानदेय तथा यात्रा भत्ता आदि अन्य देयकों की स्वीकृति हेतु आपकी ओर प्रेषित है|

हिंदी 13.6.18

13/06/2018

अधिष्ठाता, कला अध्ययनशाला

बैठक आयोजन प्रस्ताव अनुमोदित।
शेष मद नियमानुसार।

HoD, Hindi.

13/6/18

कार्यवृत्त 30/06/18

अधिष्ठाता कला अध्ययनशाला के निर्देशानुसार दिनांक 30/06/18 को हिंदी विभाग में सत्र 2018-19 एवं क्रमशः हेतु स्नातक स्तरीय (सी.बी.सी.एस. आधारित) पाठ्यक्रम निर्माण हेतु (विभागीय) अध्ययन मंडल की बैठक हुई। बैठक के सदस्य निम्नवत हैं —

1. डा० रमेश कुमार गोहे - विभागाध्यक्ष एवं अध्यक्ष-अध्ययन मंडल
2. डा० वीरेंद्र मोहन - बाह्य विशेषज्ञ-
3. श्री मुरली मनोहर सिंह - सदस्य (सहा.प्रा.)

बैठक में कतिपय कारणों से बाह्य विशेषज्ञ प्रो० वीरेंद्र मोहन उपस्थित नहीं हो सके, किंतु उन्होंने पाठ्यक्रम के अवलोकन एवं परीक्षणोपरांत पाठ्यक्रम को यथावत लागू किये जाने विषयक अपना अनुशंसा पत्र विभागाध्यक्ष के ई-मेल पर प्रेषित किया जो कि कार्यवृत्त के साथ संलग्न है। विश्वविद्यालय अध्ययन मंडल ~~अधिनियमानुसार~~ अधिनियमानुसार दो तिहाई सदस्यों की उपस्थिति (कुल सदस्यों के 50% से अधिक) में पाठ्यक्रम को अंतिम रूप देते हुए लागू किये जाने का प्रस्ताव पारित किया गया।

30/06/18

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
बिलासपुर छ.ग.

हिन्दी विभाग
कला संकाय

सत्र-2015-16 (एवं क्रमशः)

हेतु

संचालित पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के
चयन आधारित स्तरीय प्रणाली
(Choice Based Credit System)
की सत्रीय व्यवस्था युक्त
2015-16 (एवं क्रमशः)

पाठ्यक्रम परिचय

हिन्दी विषय के पाठ्यक्रम चार सत्रों में संयोजित है | प्रत्येक सत्र में चार प्रश्न-पत्र शामिल हैं, प्रश्न-पत्र 100 अंकों के होंगे | 60 अंक सत्रांत परीक्षा के लिए निर्धारित हैं और 40 अंक आतंरिक मूल्यांकन (वर्गीय मूल्यांकन एवं अधिन्यास/पत्र-प्रस्तुति)के लिए निर्धारित हैं | सत्रांत परीक्षा के लिए 3.00 घंटे का समय निर्धारित है | स्नातकोत्तर दो वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए 80 क्रेडिट निर्धारित हैं |

[पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित अध्ययन सामग्री/पाठ निम्नानुसार है]

अंक आवंटन :

सत्र	प्रश्न पत्र	सैद्धांतिक	आतंरिक मूल्यांकन
प्रथम	4	60x4=240	40x4=160
द्वितीय	4	60x4=240	40x4=160
तृतीय	4	60x4=240	40x4=160
चतुर्थ	4	60x4=240	40x4=160

अध्ययन पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र -

क्रम.	पत्र का स्वरूप	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अंक निर्धारण	क्रेडिट
1	मुख्य	छायावादी काव्य	100/40 (Grade: O/P)	05
2		कथेतर गद्य विधाएं	100/40 (Grade: O/P)	05
3	मुख्य	भाषा विज्ञान	100/40 (Grade: O/P)	05
4	मुख्य	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल)	100/40 (Grade: O/P)	05
Total Credit				20

द्वितीय सत्र

क्रम.	पत्र का स्वरूप	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अंक निर्धारण	क्रेडिट
1	मुख्य	छायावादोत्तर काव्य	100/40 (Grade: O/P)	05
2		कथा साहित्य	100/40 (Grade: O/P)	05
3	मुख्य	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	100/40 (Grade: O/P)	05
4	मुख्य	स्त्री एवं दलित : अध्ययन और साहित्य	100/40 (Grade: O/P)	05
Total Credit				20

तृतीय सत्र

क्रम.	पत्र का स्वरूप	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अंक निर्धारण	क्रेडिट
1	मुख्य	भक्ति काव्य	100/40 (Grade: O/P)	05
2	मुख्य	नाटक एवं एकांकी	100/40 (Grade: O/P)	05
3	मुख्य	भारतीय काव्यशास्त्र	100/40 (Grade: O/P)	05
4	मुख्य	आधुनिक भारतीय साहित्य	100/40 (Grade: O/P)	05
Total Credit				20

चतुर्थ सत्र - इस सत्र में तीन मुख्य प्रश्न-पत्र होंगे और एक वैकल्पिक प्रश्न-पत्र होंगे जो कि विभागाध्यक्ष की अनुमति के बाद आवंटित किया जाएगा |

क्रम.	पत्र का स्वरूप	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अंक निर्धारण	क्रेडिट
1	मुख्य	रीति काव्य	100/40 (Grade: O/P)	05
2	मुख्य	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	100/40 (Grade: O/P)	05
3	मुख्य	हिन्दी आलोचना	100/40 (Grade: O/P)	05
4	वैकल्पिक	(क) रंगमंच एवं लोक साहित्य (ख) अनुवाद अध्ययन (ग) जनसंचार माध्यम	100/40 (Grade: O/P)	05
Total Credit				20

स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर
पाठयक्रम संख्या : 301
भक्ति काव्य

प्रथम इकाई

भक्तिकाव्य : ऐतिहासिक, सामाजिक एवं दार्शनिक आधार ,
सगुण काव्य एवं निर्गुण काव्य में साम्य एवं वैषम्य, अष्टछाप
कृष्ण काव्यधारा एवं राम काव्यधारा की परम्परा।

द्वितीय इकाई

मलिक मुहम्मद जायसी : पद्मावत् (सिंहल द्वीप)
सम्पादक – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
कबीर : (160-190 साखियां) (कबीर सं- हजारी प्रसाद द्विवेदी)

तृतीय इकाई

सूरदास : भ्रमरगीतसार (संपादक–आचार्य रामचंद्र शुक्ल-21- 50पद)
तुलसीदास : रामचरितमानस उत्तरकाण्ड सम्पूर्ण (गीता प्रेस, गोरखपुर)

चतुर्थ इकाई

मीराबाई : मीरा का काव्य (सं.–विश्वनाथ त्रिपाठी)
मनथे परस हरि के चरण, जनक हरि, अलि रे मेरे णैणा बाण पणी, मा. गिरधर आगा नाच्यां री, मारा री गिरधर गोपाल, माई सांवरे रंग रांची, मैं गिरधर के घर जाऊॅ,माई री महा लिया गोविंदा मोल, ये मत बरजा माई री।

सहायक ग्रन्थ :

1. भक्ति आन्दोलन और सूर का काव्य : मैनेजर पाण्डेय
2. लोकवादी तुलसीदास, : विश्वनाथ त्रिपाठी
3. तुलसी के हिय हेरि : विष्णुकान्त शास्त्री
4. लोक जागरण और हिन्दी साहित्य : रामविलास शर्मा
5. भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य : शिवकुमार मिश्र
6. मध्यकालीन बोध और साहित्य : हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. तुलसी काव्य–मीमांसा ' : डा. उदयभानु सिंह
8. Medival India : The study of Civilization : इरफान हबीब
9. मध्यकालीन भारत का इतिहास : सतीश चंद्रा

स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर
पाठयक्रम संख्या : 302
हिन्दी नाटक एवं एकांकी

प्रथम इकाई

नाट्य लेखन की परम्परा : हिन्दी नाट्य लेखन उद्भव एवं विकास ।

भारतेंदु युगः अनूदित एवं मौलिक नाटक, प्रसादयुगीन नाटककार : ऐतिहासिक–सामाजिक नाटक और स्वाधीनता आन्दोलन,प्रसाद की नाट्य कला एवं रंगमंच की समस्या।

द्वितीय इकाई

प्रसादोत्तर हिन्दी नाटकों की प्रवृत्तियां, हिन्दी एकांकी का सूत्रपात एवं विकास।

तृतीय इकाई

नाटकः

अंधेर नगरी	: भारतेन्दु हरिश्चंद्र
आधे-अधूरे	: मोहन राकेश
अंधा युग	: धर्मवीर भारती

चतुर्थ इकाई

एकांकी :

भोर का तारा	: जगदीश चंद्र माथुर
दीपदान	: रामकुमार वर्मा

सहायक ग्रंथ :

1. परंपराशील नाट्य : जगदीशचंद्र माथुर
2. पारसी हिन्दी रंगमंच : लक्ष्मीनारायण, लाल
3. समकालीन हिन्दी नाटक एवं रंगमंच : जयदेव तनेजा
4. नाट्यालोचन के सिद्धांत : सिद्धनाथ कुमार
5. हिन्दी नाटक : उद्भव एवं विकास : दशरथ ओझा
6. आधुनिक हिन्दी नाटक एवं रंगमंच : नेमिचंद्र जैन

स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 303

भारतीय काव्यशास्त्र

प्रथम इकाई

भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास : सामान्य परिचय

काव्य–लक्षण: काव्य हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य–गुण एवं काव्य–दोष

शब्द शक्ति : अभिधा, लक्षणा, व्यंजना.

द्वितीय इकाई

भरतमुनि का रस – सिद्धांत, रस-निष्पत्ति, रस सूत्र के व्याख्याकार साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा, ध्वनि-सिद्धांत का स्वरूप और आनंदवर्धन

तृतीय इकाई

अलंकार सिद्धांत : अंलकार का महत्व, प्रमुख आचार्यों के मत।
प्रमुख अलंकार : यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा,रूपक,

उत्प्रेक्षा,संदेह,

भ्रांतिमान,अतिशयोक्ति, अन्योक्ति, समासोक्ति, अत्युक्ति, दृष्टांत, उदाहरण, निदर्शना, विभावना,

रीति सिद्धांत : रीति का वर्गीकरण, रीति एवं गुण.

चतुर्थ इकाई

वक्रोक्ति : वर्गीकरण वक्रोक्ति और अभिव्यंजनावाद,वक्रोक्ति का महत्त्व. औचित्य सिद्धांत :औचित्य की अवधारणा, औचित्य का महत्त्व.

सहायक ग्रन्थ :

1. संस्कृत काव्यशास्त्र : बलदेव उपाध्याय
2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : गणपति चंद्र गुप्त
3. काव्यशास्त्र : भगीरथ मिश्र
4. रस–मीमांसा : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
5. रस–सिद्धांत : डा. नगेंद्र
6. समीक्षा सिद्धांत : रामअवध द्विवेदी

स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 304
आधुनिक भारतीय साहित्य

(नोट-सभी मूल से हिन्दी में अनूदित कृतियाँ ही पाठ्यक्रम में निर्धारित हैं)

प्रथम इकाई

भारतीयता की अवधारणा : इतिहास एवं परम्परा, बहुभाषिकता एवं बहुसांस्कृतिकता। राष्ट्रवाद का उदय और भारतीय साहित्य।

द्वितीय इकाई

संस्कार : यू. आर. अनंतमूर्ति

मछुआरे : तकषी शिवशंकर पिल्लै

तृतीय इकाई

अक्करमाशी : शरण कुमार लिम्बाले

गोरा : रवीन्द्रनाथ

चतुर्थ इकाई

तुगलक :**गिरीश कर्नाड**

कवितायें -

रवीन्द्रनाथ की कविताएँ (चयनित) : (संपादन एवं अनुवाद : हजारी प्रसाद द्विवेदी) :निर्झर का स्वप्न भंग, प्राण, मुक्ति, भारत तीर्थ, अपमानित.

अवतार सिंह 'पाश'- मैं अब विदा लेता हूँ,मेरी माँ की आँखें,सबसे खतरनाक,धर्मदीक्षा के लिए विनय-पत्र,

वरवर राव - एक हाथ और दूसरा हाथ,अम्मा,आवाज़.

सहायक ग्रन्थ :

1. संस्कृति के चार अध्याय : रामधारी सिंह दिनकर
2. भारतीय राष्ट्र के उदय की सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : ए आर देसाई
3. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास : डा. नगेंद्र
4. राष्ट्रवाद : रवीन्द्रनाथ टैगोर
5. भारतीय चिंतन परम्परा : के. दामोदरन
6. समकालीन भारतीय साहित्य पत्रिका (साहित्य अकादमी की फाइलें)

स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या:401

रीतिकाव्य

प्रथम इकाई

रीतिकाव्य के मूल स्रोत,रीतिकाल की पृष्ठभूमि, रीति–काव्य की प्रवृत्तियां एवं काव्य वैशिष्ट्य |

द्वितीय इकाई

रीतिकालीन भक्ति काव्य, रीतिकाव्य की विविध धाराएँ एवं रचनाकार- केशव, मतिराम, भूषण, बिहारी घनानन्द,देव, पद्माकर.

तृतीय इकाई

केशवदास : रामचंद्रिका (संपादन :लाला भगवानदीन)

(ग्यारहवां प्रकाश -1–30,बारहवॉ प्रकाश 1–30)

बिहारी : संपादक - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

दोहा संख्या - 1,3,6,9,14,20,27,31,35,40,41,42,43,47,56,61,76,78,85,89,96.

चतुर्थ इकाई

घनानंद कवित्त :संपादक -विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

पद –19,25,43,44,50,68,70,71,75,80,82,84,86,91,94,

जगन्नाथदास रत्नाकर : उद्धवशतक(सम्पादक :)

मंगलाचरण, 1,2,3,20,26,28,31,34,35,37,40,45,46,67,

भूषण : शिवराज भूषण (प्रकाशन :किताब घर में रोड गाँधी नगर दिल्ली)

पद संख्या - 53,72,74,93,95,103,108,121,124,126

सहायक ग्रंथ :

1. रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ. नगेंद्र
2. घनानंद का काव्य : रामदेव शुक्ल
3. बिहारी–रत्नाकर : जगन्नाथ दास 'रत्नाकर'
4. केशव का काव्य : विजयपाल सिंह
5. बिहारी का नया मूल्यांकन : बच्चन सिंह
6. घनानंद काव्य कौस्तुभ :डॉ.रामफेर त्रिपाठी

स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर
पाठयक्रम संख्या :402
पाश्चात्य काव्यशास्त्र

प्रथम इकाई

प्लेटो :अनुकरण और आदर्श राज्य की परिकल्पना।
अरस्तू : अनुकरण ,विरेचन और त्रासदी का सिद्धांत।

द्वितीय इकाई

लौंजाइनस :काव्य में उदात्त की अवधारणा
वर्ड्सवर्थ : स्वच्छंदता एवं वर्ड्सवर्थ की काव्य तथा काव्य–भाषा संबंधी अवधारणा

तृतीय इकाई

कॉलरिज:काव्य–भाषा ,कल्पना,रम्य कल्पना
मैथ्यू अर्नाल्ड की साहित्यिक मान्यताएँ
टी.एस:इलियट:निर्वैयक्तिकता,परम्परा एवं वैयक्तिक प्रज्ञा,वस्तुनिष्ठ सह –सम्बंध

चतुर्थ इकाई

आई.ए.रिचर्डस :मूल्य सिद्धांत ,सम्प्रेषण सिद्धांत क्रोंचे का अभिव्यंजनावाद, अस्तित्ववाद,नई समीक्षा ,संरचनावाद,उत्तर-संरचनावाद,

विखंडनवाद, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता.

सहायक ग्रंथ

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेंद्रनाथ शर्मा
2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र: :गणपति चंद्र गुप्त
3. पाश्चात्य साहित्य चिंतन : निर्मला जैन
4. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह
5. यथार्थवाद : शिवकुमार मिश्र
6. भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत : रामचंद्र तिवारी

7-हिन्दी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली : डॉ.अमरनाथ

स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 403

हिन्दी समीक्षा

प्रथम इकाई

हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास
शुक्लपूर्व आलोचनाः **भारतेंदु हरिश्चंद्र**, महावीर प्रसाद द्विवेदी, मिश्र बंधु

द्वितीय इकाई

आचार्य रामचंद्र शुक्ल : **रस दृष्टि तथा लोकमंगल की अवधारणा**
नंददुलारे बाजपेयी : **सौष्ठववादी आलोचना**
शांतिप्रिय द्विवेदी,हजारी प्रसाद द्विवेदी,

तृतीय इकाई

नलिन विलोचन शर्मा, नगेन्द्र
मार्क्सवादी आलोचना,: रामविलास शर्मा, **नामवर सिंह.**

चतुर्थ इकाई

रचनाकार आलोचकः प्रेमचंद, निराला, प्रसाद,पन्त,अज्ञेय, मुक्तिबोध, विजयदेव नारायण साही

सहायक ग्रन्थ:

1. हिन्दी आलोचना : **विश्वनाथ** त्रिपाठी
2. चिंतामणि : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
3. एक साहित्यिक की डायरी : मुक्तिबोध
4. रचना और आलोचना : **देवीशंकर** अवस्थी
5. आलोचना और आलोचना : **देवीशंकर** अवस्थी
6. इतिहास **और** आलोचना : नामवर सिंह
7. हिन्दी आलोचना : बीसवीं शताब्दी : नंददुलारे बाजपेयी
8. नया साहित्य : नये **प्रश्न** : नंददुलारे बाजपेयी
9. रामचंद्र शुक्ल : मलयज
10. वाद–विवाद–संवाद : नामवर सिंह
11. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह
12. आलोचना की सामाजिकता : मैनेजर पाण्डेय
13. छठवॉ–दशक : विजयदेव नारायण साही
14. हिन्दी साहित्य के अस्सी बरस : **शिवदान** सिंह चौहान

स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर (404)

चतुर्थ सेमेस्टर के अन्तर्गत चतुर्थ **प्रश्न** पत्र (कोड–404) में विद्यार्थी किसी एक विकल्प का चयन करेगा।

वैकल्पिक
पाठ्यक्रम संख्याः 404.1
रंगमंच एवं लोक–साहित्य

प्रथम इकाई

लोक साहित्य की अवधारणा,लोक **साहित्य की** मनोवैज्ञानिक एवं समाज **शास्त्रीय** व्याख्या, लोकभाषा, परिनिष्ठित भाषा, मानक भाषा की प्रकृति,

द्वितीय इकाई

हिन्दी में लोक साहित्य का इतिहास, मिथक और लोक–साहित्य, लोक साहित्य के विविध रूप : लोकगीत, देवीगीत, जन्म एवं मृत्यु संबंधी गीत, विवाह गीत, ऋतु गीत, श्रम गीत, हिन्दी की ग्रामीण **गीत** शैलियॉं एवं उनका **भाषिक वैशिष्ट्य**

तृतीय इकाई

लोक नाट्य परम्परा **लोकनाटकों के विविध रूप** (क) श्रव्य : लोकगाथा, लोक आख्यान, पंडवानी, आल्हा, **चंदैनी.**

(ख) **दृश्य** : रामलीला, रासलीला, नौटंकी, लावनी, प्रहसन, बिदेसिया, नाचा, खयाल, बारहमासा, **नाच, करमा**

चतुर्थ इकाई

बिदेसिया : भिखारी ठाकुर
लोहा सिंह : **रोमेश्वर** सिंह
चरनदास चोर : **हबीब** तनवीर

- आधारभूत संरचना उपलब्ध होने की स्थिति में में प्रस्तुत पाठ्यक्रम के सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक (**प्रदर्शन**) दोनों माध्यमों में अध्ययन कराया जाएगा.

सहायक ग्रन्थ :

1. लोक साहित्य के प्रतिमान : डा. कुंदन लाल उप्रेती
2. लोक साहित्य की सांस्कृतिक परम्परा : मनोहर शर्मा
3. भारतीय लोक साहित्य : श्याम परमार
4. लोक –साहित्य की भूमिका : धीरेंद्र वर्मा
5. लोक–साहित्य विज्ञान : डॉ.सत्येंद्र
6. : डॉ. नर्वदेश्वर राय
7. : डॉ.अनुसुइया अग्रवाल

स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 404.2
अनुवाद अध्ययन

प्रथम इकाई

अनुवाद अध्ययन का इतिहास, अनुवाद की सामाजिक–सांस्कृतिक भूमिका, अनुवाद क्रिया और महत्वपूर्ण **अवधारणा**.

द्वितीय इकाई

भूमंडलीकरण के दौर में अनुवाद, उपलब्ध रूप, द्विभाषिकता, बहु–भाषिकता और अनुवाद मीडिया क्षेत्र में साहित्यिक अनुवाद.

तृतीय इकाई

आधुनिक प्रख्यात अनुवाद कर्म : अनुवाद प्रक्रिया, भाषिक **विश्लेषण**,

अंतरण और पुनर्गठन, रूपांतरण और मिश्रण के नए रूप.
दुभाषिया कर्म,

अनुवाद के विविध रूप - आशु अनुवाद, यांत्रिक अनुवाद, कम्प्यूटर अनुवाद

चतुर्थ इकाई

स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा ,पारिभाषिक शब्दावली निर्माण

की प्रक्रिया एवं समस्याएँ। अनुवाद व्यवहार : **अँग्रेजी से हिन्दी**

एवं हिन्दी से अँग्रेजी गद्यानुवाद,समान भाषा का अनुवाद |

सहायक ग्रन्थ :

1. अनुवाद विज्ञान : डा. नगेंद्र
2. अनुवाद विज्ञान : गार्गी गुप्ता
3. अनुवाद विज्ञानःसिद्धांत सिद्धि : **अवधेश** मोहन गुप्त
4. अनुवाद कला : डा. एन. ई. **विश्वनाथ** अय्यर
5. अनुवाद का भाषिक सिद्धांत : जे. सी. कैटफोर्ड
6. वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ : डा. भोलानाथ तिवारी
7. अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ : श्री गोपीनाथन
8. अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ : डा. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
9. **पश्चिम** में अनुवाद कला के मूल **स्रोत** : डा. गार्गी गुप्ता, **विश्वनाथ** गुप्त
10 : डॉ.इंदु प्रभा पाराशर